

# INHALT

|  |     |
|--|-----|
| Vorwort  | 7   |
| Einleitung   | 9   |
| <br>   |     |
| I.   |     |
| 1. Das zeitgenössische Umfeld                          | 17  |
| 1.1. Die Echternacher Handschriften                    | 17  |
| 1.2. Herodesdarstellungen ottonisch-frühsalischer Zeit | 40  |
| 1.3. Der Lambacher Zyklus                              | 64  |
| 1.4. Zusammenfassung                                   | 75  |
| 2. Die Bildtradition                                   | 77  |
| 2.1. Frühchristliche Herodesdarstellungen              | 77  |
| 2.2. Herodes in der karolingischen Kunst               | 95  |
| 2.3. Byzantinische Herodesdarstellungen                | 108 |
| 2.4. Zusammenfassung                                   | 120 |
| <br>   |     |
| II.  |     |
| 3. Die Türen von St. Maria im Kapitol                  | 125 |
| 3.1. Der Standort der Türen und der Trikonchos         | 126 |
| 3.2. Szenenfolge und Szenenauswahl                     | 144 |
| 3.3. Der Herodeszyklus und das Programm                | 159 |
| 3.4. Die Türen im Kontext ihrer Entstehung             | 171 |
| <br>   |     |
| Schluß   | 193 |
| Literatur  | 195 |
| Verzeichnis der Abbildungen                            | 209 |